मगही के प्रतिनिधि कहानीकारों का वस्तुगत एवं शिल्पगत अध्ययन। मगही लोक साहित्य की विशेषताएँ, मगही लोकगीत, लोकनाट्य, मगही लोककथा, मगही लोकगाथा, मगही लोकनृत्य, मगही लोक संगीत, मगही पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, मगही नाटक स्वरूप एवं विकास, नयकी मगही कविता, मगही हाइकू, मगही गजल, मगही क्षणिकाएँ, मगही गीत, मगही लघुकथा मगही ललित निबंध, मगही यात्रा साहित्य स्वरूप और विकास, मगही एकांकी स्वरूप और विकास।

खण्ड--ड़

व्याख्या हेतु निम्नलिखित का अध्ययन अपेक्षित है--

1. दोहाकोश--सरहपा (आरंभ से 30 दोहा तक)
2. मगही रामायण-- योगेश्वर प्रसाद सिंह योगेश (अंतिम खण्ड)
3. मगही गीता-- रामप्रसाद सिंह पुण्डरीक (केवल द्वितीय अध्याय)
4. मगही गीता-- उदयशंकर शर्मा (तृतीय अध्याय)
5. नरक सरग धरती-- डॉ० रामप्रसाद सिंह
6. कैकई-- चतुरानन्द मिश्र 'चतुरा'
5. एकलव्य-- शेष आनंद मधुकर (सप्तम सर्ग केवल)
6. आहिल्या-- घमण्डी राम (तृतीय सर्ग केवल)
7. रोदना-- श्रीकांत शास्त्री
8. रामबोला-- रामपुकार सिंह 'राठौर'
9. रघुवंश-- डॉ० नरेशप्रसाद वर्मा, (केवल सर्ग--दो)
10. मानिनि शकुन्तला-- राजेन्द्र कुमार यौधेय
11. रधिया-- मिथिलेश, (अंतिम सर्ग केवल)

चाभल टंगरी (मिथिलेश) कोनमा आम (श्री रविन्द्र कुमार) वासी पइसा (श्री गिरीश रंजन) गमला में गाछ (श्री रामचन्द्र आदीप) लहास के सौदा (परमेश्वरी) सिंगारो देई (जितेन्द्र वत्स) सलीमा (डॉ० रामप्रसाद सिंह) कनसार (कृष्णमोहन प्यारे) सुराग (डॉ० सत्येन्द्र कुमार सिंह) केंचुल (चक्रधर) दंस (नरेन) डुमरी हॉल्ट वाली मैडम (हरीन्द्र विद्यार्थी) तेसर (रामनरेश पाठक) सकलदीप चाचा (दिलीप कुमार) नेमु काजर (तारकेश्वर भारती) लिटियो जर गेल (लक्ष्मण प्रसाद 'चंद') प्रायश्चित (शेवाल) खुद मुख्तार (शेखर) जुआड़ (प्रेम कुमार मणि) डाक गाड़ी (अभिमन्यु प्रसाद मौर्य)